रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

समाज एवं राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करता है वैज्ञानिक चिंतन – कुलपति प्रो. मिश्र

रादुविवि व्यवसायिक अध्ययन एवं कौशल संस्थान में दो दिवसीय ''विज्ञान उत्सव'' का समापन

जबलपुर 02 मार्च। वैज्ञानिक चिंतन ही समाज और राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करता है। कोरोना इस बात का उदाहरण है कि विज्ञान किस प्रकार मानव जाति के लिए हानिकारक हो सकता है, वहीं विज्ञान के द्वारा ही इस महामारी का अंत भी किया जा रहा है, जो विज्ञान का जनकल्याणकारी नजरिया हमारे सामने रखता है। भारत का विज्ञान लोकहितकारी रहा है। विज्ञान के सकारात्मक चिंतन और अनुसंधान से पूरी मानवजाति का कल्याण किया जा सकता है। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस–2021' के उपलक्ष्य में आयोजित 'विज्ञान उत्सव' समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान, रा.दु.वि.वि., जबलपुर एवं मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2021 के अवसर पर ''विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार'' विषय पर दो दिवसीय ''विज्ञान उत्सव'' का आयोजन किया गया। मंगलवार को आयोजित 'विज्ञान उत्सव' समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विद्यार्थियों से रूबरू होते हुए कहा कि युवाओं में असीम प्रतिभाएं हैं, जरूरत उनके सही दिशा प्रदान करने की है। युवा अपने चिंतन को लोकमंगलकारी एवं लोककल्याण के कार्यों के प्रति समर्पित करें और हमेशा अपनी सोच सकारात्मक रखें। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद वैज्ञानिक डॉ. निपुण सिलावट की मौजूदगी में

मंचासीन अतिथियों द्वारा दो दिवसीय विज्ञान उत्सव प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

विज्ञान दिवस का उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करना–

आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में संकायाध्यक्ष प्रो. राकेश बाजपेयी ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उद्देश्य ही युवाओं में सकारात्मक वैज्ञानिक सोच का विकास है। विशिष्ट अतिथि एवं गणित के वरिष्ठ आचार्य प्रो. एस.एस. पाण्डे ने प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक पहलु को प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस प्रकार विज्ञान सदियों से मानव कल्याण को प्रस्तुत करता आ रहा है। विशिष्ट अतिथि परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेण्डसे ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए युवाओ को मानव कल्याण के कार्यों के लिए प्रेरित किया। सारस्वत अतिथि के रूप में मंगलायतन विश्वविद्यालय कुलपति ले.ज. ए.के. मिश्रा ने कहा कि वर्तमान में भारत अपने वैज्ञानिकों के कारण हर क्षेत्र में सुरक्षित और मजबूत स्थिति में है।

उत्सव के रूप में मनाया विज्ञान दिवस–

विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान निदेशक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने प्रारंभ में स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2021 के उपलक्ष्य में विवि द्वारा उत्सव के रूप में विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें भाषण, कविता–पाठ, निबंध, नवाचार आइडिया में प्रतियोगिताओं सहित पोस्टर, मॉडल–प्रदर्शिनी, वैज्ञानिक रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन कौशल विकास विभाग ''विज्ञान भवन'' में कोरोना वायरस के चलते सोशल डिस्टेंसिंग के सभी नियमों का पालन करते हुए आयोजित किया गया। संचालन डॉ. मीनल दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अजय मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रो. एस.एन बागची, डॉ. राजेश्वरी राणा, कौशल विकास विभाग के इं. महावीर त्रिपाठी सहित सभी विभागों के अतिथि विद्वान एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

.....

नैक मूल्यांकन मानदंड–1 की समीक्षा एवं मानदंड–2 पर चर्चा हेतु विभागाध्यक्षों एवं अतिथि विद्वानों के साथ ऑनलाईन बैठक

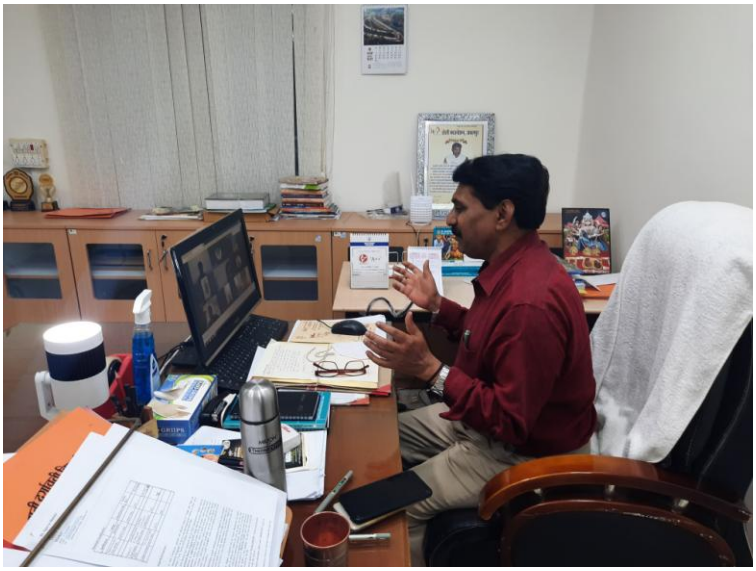

नैक मानदंड–2 पर टीचिंग, लर्निंग एंड इवेल्यूएशन पर नए नियमों के अनुसार, संस्थान की शैक्षणिक प्रक्रियाएं और उनके नतीजे, करिकुलम, अध्यापन और शिक्षण, मूल्यांकन प्रक्रिया, फैकल्टी, रिसर्च, बुनियादी ढांचा, संसाधन, संगठन, प्रशासन, वित्तीय स्थिति और छात्र सेवाओं के आधार पर संस्थान का मूल्यांकन किया जाएगा। नैक की तरफ से इसके लिए 1000 अंक निर्धारित किए गए हैं। उपरोक्त संदेश माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने आज नैक मूल्यांकन हेतु मानदंड–1 की समीक्षा एवं मानदंड–2 की तैयारी पर विभागाध्यक्षों एवं अतिथि विद्वानों के साथ आयोजित ऑनलाइन बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा।

विश्वविद्यालय के नैक के मूल्यांकन हेतु विभिन्न मानदंडों की तैयारियों की समीक्षा के उद्देश्य को लेकर आयोजित बैठक में प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने बताया कि नैक मूल्यांकन की तैयारी में कमियों को पूरा करने एवं जिज्ञासाओं का समाधान का यथासंभव प्रयास आईक्यूएसी प्रकोष्ठ द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

ऑनलाईन बैठक का संचालन आईक्यूएसी एवं नैक समन्वयक डॉ. राजेश्वरी राणा ने किया। इस अवसर पर विवि के शिक्षण विभागों के विभागाध्यक्ष एवं अतिथि विद्वान उपस्थित रहे।